श्री सभापति: ठीक है, वे ध्यान रखेंगे।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खन्डूड़ी: यह सब डाटा available है। In the reply, I have given you the data.

Packing of drinking water

*146. SHRI SUKHDEV SINGH LIBRA:
DR. ABRAR AHMED:††

Will the Minister of CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state what steps have been taken for the implementation of the new standards for packaged drinking water which does not conform to European Standards?

THE MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI SHARAD YADAV): A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

Bureau of Indian Standards (BIS) has already evolved amendments in Indian Standards for Packaged Drinking Water and Natural Mineral Water in order to align them with the World's best norms for pesticide residues. They will be implemented after they are incorporated in the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 which is administered by Ministry of Health and Family Welfare. Ministry of Health and Family Welfare has already issued a notification inviting comments from public to amend the standards of Packaged Drinking Water and Natural Mineral Water under Prevention of Food Adulteration Act Rules, 1955.

डा॰ अबरार अहमद: सर, आज देश में हम अपने स्वास्थ्य के नाम पर पानी की कीमत दूध की कीमत के बराबर दे रहे हैं लेकिन अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार जब जांच की गई तो उसमें लिंडेन, डी॰डी॰टी॰, मेलाथिआन आदि कीटनाशक पाए गए। यूरोपीय यूनियन द्वारा निर्धारित मापदंडों से 104 गुना अधिक कीटनाशक एक कंपनी में पाए गए। एक अन्य कंपनी में 84 गुना अधिक कीटनाशक पाए गए और मेलाथिन तो 400 गुना अधिक पाया गया। ये कीटनाशक किडनी को खराब करते हैं, आदमी की प्रतिरोधक क्षमता को कम करते हैं और कैंसर जैसी भयंकर बीमारी को जन्म देते हैं। महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि हिंदुस्तान में

††The question was actually asked on the floor of the House by Dr. Abrar Ahmed.

रहने वाले व्यक्ति के जीवन की कीमत भी उतनी ही है जितनी दुनिया के अन्य देशों में रहने वाले व्यक्तियों के जीवन की है। आप टाइम बाउंड बताएं कि यहां के मापदंडों को कब तक आप दुनिया के अन्य देशों के मापदंडों के अनुसार बना देंगे, यह जो सब-कमेटी आपने बनाई है, क्या उसका चेयरमैन भी कोई bottler है जो पानी की बोतलें बनाता है?

श्री शरद यादव: सभापति जी, इस मामले में आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि जो माननीय सदस्य ने कहा है, उसमें अभी एक रिपोर्ट आई है सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायर्नमेंट की। जो पैकेज बंद पेयजल हम बांट रहे हैं, इसके स्टैंडर्ड को सरकार ने 1998 में बनाया था और यह लागू हुआ 2001 में। जो हमारे स्टैंडर्ड हैं, उनके बारे में अभी एन॰जी॰ओज़ की एक रिपोर्ट आई थी। उस रिपोर्ट में यह कहा गया था कि आज दुनिया में जो स्टैंडर्ड हैं, उनके मुकाबले इनमें ज्यादा पेस्टिसाइड residues पाए गए। इसके ऊपर भी हमने तत्काल कार्यवाही की और एक कमेटी बनाई। वह कमेटी 5 तारीख को कंस्टीटयूट की-यानी यह रिपोर्ट आई 5 तारीख को। इनका कहना ठीक नही है। हमारे डिपार्टमेंट ने एडिशनल सैक्रेट्री को इस बात का जिम्मा दिया है और श्री सतवन्त रेड्डी को इसका चेयरमैन बनाया है। हैल्थ मिनिस्ट्री से भी एक एक्सपर्ट लिया है। हमने बीआईएस के एक रिटायर्ड आदमी को एक्सपर्ट बनाया है। हमने पांच तारीख को यह कमेटी कांस्टीट्यूट कर ली है। दिनांक सात और आठ को हमारे यहां स्टैंडर्ड बनाने वाली कमेटी की बैठक कर ली। हमने उस बैठक का दस तारीख को नतीजा निकालकर, हैल्थ मिनिस्ट्री को पहुंचा दिया। यह कहा कि यह स्टैंडर्ड मान्य है। दुनिया में स्टैंडर्ड बदलते रहते हैं। आज जो कारें हमारे यहां चल रही हैं, यूरोप में दूसरी कारें चल रहीं हैं। तो स्टैंडर्ड लगातार बदलते रहते हैं। पांच साल में हर बार ...(व्यवधान)... सुनिए। पांच बरस में हर बार इन स्टैंडर्ड्स को बदला जाता है। हमने तत्काल कार्यवाही की और कार्यवाही के साथ, अभी इस दौरान, जो हमारे स्टैंडर्ड्स पालन नहीं कर रहे हैं, हमने उन आठ कम्पनियों के आईएसआई मार्क विदड्रा किए। हमने यह अकेले अभी नहीं किए, बल्कि हमने जो एक्शन किया है, मैं आपको एक्शन बताना चाहता हूं कि बीआईएस कोई मामूली संस्था नहीं है। उसकी क्रेडिबिलिटी है और संस्था की क्रेडिबिलिटी इतनी ज्यादा है कि हजारों स्टैंडर्ड्स को हम आब्जर्व करके देखते हैं। इसमें पानी पर कार्यवाही हुई है, यह नहीं है कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ कोई खिलवाड़ हो रहा है।

श्री संजय निरुपम: बोतल वाला पानी पीएं या नहीं, यह बताइए।

श्री शरद यादव: वह पानी पीने लायक है। देशभर के वैज्ञानिक, जो इस मामले से वास्ता रखते हैं, 13 तारीख को उनको बुलाकर, बाकायदा एक इमरजेंसी बैठक बुलाई और इसकी जांच कराई कि जो अभी पानी चल रहा है क्या यह ठीक है या नहीं है? सभी लोगों ने कहा कि यह पानी लम्बे समय के लिए ठीक है। उन्होंने जो रिपोर्ट दी उसमें भी यह कहा कि 70 बरस तक, लम्बे समय तक...

श्री सभापति: माननीय मंत्री महोदय, क्षमा करें। इस सारी जांच और प्रचार से सब लोगों के मानस में एक चीज बैठ गई है कि यह पानी शुद्ध नहीं है। इस सारे प्रचारतंत्र के काम को लेकर अगर आपके दिमाग में कार्यवाही है तो सब लोगों तक पहुंचाए कि हम यह अमुक प्रकार की कार्यवाही कर रहे हैं।

श्री शरद यादव: महोदय, आपने जो निवेदन किया है, इसके अनुसार काम हुआ है। मैं यह भी कह रहा हूं कि हैल्थ मिनिस्टर साहब ने पिछली बार लोक सभा में इस पर जवाब दिया है। ... (**व्यवधान**)... महोदय, मैं इस पर कार्यवाही के बारे में बता रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: नहीं, मैं यह नहीं कहता कि मैम्बर्स को शिकायत है। क्वेश्चन इस बात का आता है कि जनमानस में जो भ्रम पैदा हो गया है, इसका निराकरण कैसे हो? ...(**व्यवधान**)...

श्री लालू प्रसाद: महोदय, यह कर्तव्य बनता है और हम यह आशा करते हैं कि आप प्रोटेक्शन देंगे और जनहित के सवालों पर, सदन को पूरी छूट देंगे। लेकिन इधर देखा जा रहा है कि मोस्टली जो प्रश्न हम लोग पूछते हैं, आप इन सत्ताधारी लोगों को, प्रोटेक्ट कर देते हैं। यह ठीक नहीं है।

श्री सभापति: मैं तो आपको भी प्रोटेक्ट करता हूं।

श्री लालू प्रसाद: सर, हम लोग कहां प्रोटेक्ट हो रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री भारतेन्दु प्रकाश सिंहल: यह चेयर के प्रति आरोप है। ...(**व्यवधान**)...

श्री लालू प्रसाद: यह आरोप नहीं है। यह सम्मान है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: जाने दीजिए कोई आरोप नहीं है।

श्री शरद यादव: महोदय, यदि आप अनुमति दें तो लोगों का यह विश्वास रिस्टोर हो सके, इसके लिए ही मैं सारी चीजें कह रहा हूं।

श्री सभापति: ठीक है।

श्री लालू प्रसाद: सर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: लालू जी, इनका एक क्वेश्चन और हो जाने दीजिए।

डा॰ अबरार अहमद: महोदय, माननीय मंत्री जी ने अभी कहा है कि हमने आठ कम्पनियों के आईएसआई मार्क बन्द किए हैं। आपने जिन आठ कम्पनियों के आईएसआई मार्क बन्द किए हैं, उनकी लाखों, करोड़ों बोतलों का पानी आज बाजार में बिक रहा है। फैक्ट्री तो आपने सील कर दी। आईएसआई मार्क आपने ले लिया, लेकिन वह पानी जिसे कम्पनी बना चुकी थी और सप्लाई हो

चुका था, बाजार के अंदर खुले आम लाखों, करोड़ों बोतलों में बिक रहा है। आप उसके लिए क्या करेंगे और उस पानी को कैसे रोकेंगे? महोदय, मैं इसी में एक महत्वपूर्ण बात जोड़ता हूं कि माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने 20 फरवरी को यह बयान दिया था कि भारतीय मापदंडों का विरोध बिल्कुल ठीक है। इसमें किसी प्रकार की कोई गलती नहीं है। यह कोई विष नहीं फैला रहा है और न इससे कोई बीमारी होती है। यह तो विरोधाभास पैदा हो गया है और सारे देश के लोगों के दिमाग में एक भ्रम पैदा हो गया है। अन्य मुद्दों पर तो सरकार के मंत्री भ्रम पैदा करते रहते हैं, लेकिन इस मुद्दे पर, पानी में जो भ्रम पैदा कर दिया है, इसको आप कैसे दूर करेंगे?

श्री शरद यादव: महोदय, मैं माफी चाहता हूं, आप मुझे थोड़ा सा समय दीजिए। जो देश में भ्रम है।

श्री सभापति: आप एक काम और कर लीजिए, लालू प्रसाद जी को भी सुन लें फिर दोनों के लिए समय दे देना।

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, अभी हमने आठ कंपनियों पर किया है। इस देश में 780 मिनरल वाटर बनाने वाली यूनिट हैं। इन्हें अलग-अलग आई॰एस॰आई॰ मार्क दिया हुआ है। हमने आठ का विदड्रा किया है। देश की जो बाकी कंपनियां हैं, उनके प्लांट ठीक ठाक चल रहे हैं। इसमें भी तीन पकड़े गए हैं ...(**व्यवधान**)... बात तो सुनिए...(**व्यवधान**)... सुनिए...(**व्यवधान**)... हमने ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम गुप्ता: वह पानी हाथ धोने के लायक नहीं हैं।

श्री शरद यादव: हमने वहां पर विदड्रा किए हैं जहां पर साइंटिस्ट नहीं मिले, माइक्रो बाइलॉजीकली ठीक नहीं था या हाइजिनिक कंडीशन नहीं थी। जिनके मार्किट में ज्यादा शेयर हैं, वे कंपनियां भी इसमें हैं। अबरार साहब ने पूछा है तो बता दूं कि हैल्थ मिनिस्टर ने लोक सभा में साफ-साफ यह बात कही है कि हमारे आज के जो स्टैण्डर्ड हैं, उनके अनुसार जो कंपनियां चल रही हैं उनका पानी सेफ है। यह हमारे वैज्ञानिकों ने बताया है ...(**व्यवधान**)...

डा॰अबरार अहमद: लेकिन महोदय, वह पानी ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठहरिए, ठहरिए ...(**व्यवधान**)...

श्री शरद यादव: तेरह तारीख को, देश भर के जो एग्रीकल्चर साइंटिस्ट हैं, जो इस बात से वास्ता रखते हैं, उन्होंने यह कहा है कि यह पानी लंबे समय के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अभी उसकी भी कोई रिसर्च नहीं है। जिस यूरोपियन स्टैण्डर्ड की लोग बात कर रहे हैं, वह अभी यूरोप में भी लागू नहीं है। देश भर के सभी स्टैण्डर्ड को देखकर हमने अठारह तारीख को हैल्थ मिनिस्ट्री से

नोटिफिकेशन किया है कि एक महीने के भीतर दुनिया में जो स्टैण्डर्ड बने हैं उनके अनुसार हम स्टैण्डर्ड बनाने का काम करें ...(**व्यवधान**)...

डा॰ अबरार अहमद: माननीय मंत्री जी...

श्री सभापति: एक मिनट ठहरिए। मंत्री जी उनका उत्तर नहीं आया है। उन्होंने पूछा है कि जिन्हें आपने बंद किया है, उनका बाजार में, सड़कों पर जो पानी बिक रहा है, उसकी रोकथाम के लिए आपने क्या व्यवस्था की है?

श्री शरद यादव: सभापति जी, मैंने बताया है कि हम हर प्लांट के लिए अलग-अलग आई॰एस॰आई॰ मार्क देते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम गुप्ता: सभापति जी, आई॰एस॰आई॰ मार्क देना ही काफी नहीं है।

श्री शरद यादव: इसमें कंफ्यूजन है। मैं एग्जाम्पल देता हूं कि जैसे कोई एक्स कंपनी है। इसके पच्चीस प्लांट है। इन पच्चीस प्लांट के लिए अलग-अलग आई॰एस॰आई॰ मार्क दिया जाता है। जो अलग-अलग आई॰एस॰आई॰ मार्क दिए हैं, वे हमने अलग-अलग ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम गुप्ता: कंट्रोल नहीं करेंगे आप ...(**व्यवधान**)...

डा. अबरार अहमद: मानक तो एक ही है।

श्री सभापति: बस बहुत हो गया। अब मैं आपको एलाऊ नहीं करूंगा।

श्री शरद यादव: सभापति जी, जब प्लांट ठीक चल रहा है। हमारे जो दूसरे प्लांट आई॰एस॰आई॰ मार्क हैं, वे हमारे स्टैण्डर्ड को मानते हैं तब हम उन्हें बंद क्यों करेंगे ...(**व्यवधान**)...जिन्होंने नहीं किया है, उनकी जांच कराइए।

श्री लालू प्रसाद: सभापति जी, मैं आपके जरिए माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आपकी सरकार में आज दूध से भी महंगा पानी बेचा जा रहा है। उसमें भी कीटनाशक है। उसमें कीटाणु मिले हुए हैं। एन॰जी॰ओज़ की जांच के बाद आपने तत्परता दिखाई है। मैं जानना चाहता हूं कि इससे पहले आपने कौन-कौन से कदम उठाए हैं? 780 मार्क देते हैं। गचागच लाइसेंस देते जा रहे हैं। आप इसमें सैम्पलिंग कैसे करते हैं? अब आपका भंडाफोड़ हो गया है। कीटनाशक पानी शरीर को पिला दिया है। भविष्य में यह न जाने कहां-कहां रोग पैदा करेगा। मैं जानना चाहता हूं कि आपके विभाग ने सैम्पलिंग कितनी की है? जिस विभाग पर यह आरोप है उसी विभाग के एडीशनल सेक्रेट्री को आपने चेयरमैन बना दिया है। रिटायर्ड आदमी को बना दिया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि जिस कीटनाशक दवाई को पानी में छिड़का जाता है—सड़े-गले कीटाणु हैं, टी॰वी॰ में भी खबर आई है, मंत्री जी ध्यान

गया है कि नहीं गया है? टूटी-फूटी मशीन से पानी भर दिया है। बस पानी पिओ, पानी पिलाओ। अभी हम लोग इससे बचे हुए हैं, वह इसलिए क्योंकि हमारे शरीर में बैक्टीरिया मजबूत है। उसने प्रोटेक्शन किया है। मैं यह कहना चाहता हूं कि आप उस कमेटी को भंग करके, देश के एक्सपर्ट साइन्टिस्ट लोगों को लें। यह एक भ्रम नहीं है। इस भ्रम के जाल में हम लोग नहीं आने वाले हैं। आज चारों तरफ बिसलेरी और अन्य जो भी हो उनके द्वारा शुद्ध पानी के नाम पर खुला जहर पिलाकर लोगों के पैसे लूटे जा रहे हैं। कितनी सैम्पलिंग की है? आपने क्या-क्या किया है? कब किया है? क्या ऐक्शन लिया है? लाइसेंस क्यों दिया है? सिर्फ मोहर लगा दी है।

श्री एस॰एस॰अहलुवालिया: हॉफ एन ऑवर डिसकशन करा दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री शरद यादव: अभी जवाब तो देने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... उन्होंने जो पूछा उसका जवाब तो अभी देना है।

श्री लालू प्रसाद: जवाब तो देने दीजिए।

श्री शरद यादव: सभापति जी, माननीय सदस्य लालू जी ने जो बात कही है मैं उनके ध्यान में लाना चाहता हूं कि पिछले वर्ष देश भर में हमने 3232 रेडज़ किए हैं और सैंपल लिए हैं। उनकी जांच करने के बाद हमने 494 पर कार्यवाही की है। रिपोर्ट आने के बाद अभी हमने 500 बोतलें और उठाई हैं। यह प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती है। दूसरी चीज़, माइक्रो-बायोलॉजीकल टैस्ट जो होते हैं उसके लिए 290 सैंपल उठाए गए हैं और 43 लोगों पर एक्शन हुआ है। उसके बाद से निरन्तर यह प्रक्रिया चल रही है और कार्यवाही हो रही है।

श्री सभापति: ठीक है ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य: सर यह जनहित का मामला है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: इस पर हॉफ एन ऑवर डिसकशन मांग लीजिए।

श्री दीपांकर मुखर्जी: ठीक है, लेकिन फिर भी इनका जवाब तो आएगा नहीं। ...(**व्यवधान**)... स्टेटमेंट में भी जवाब नहीं आएगा।

श्री शरद यादव: सभापति जी, मैं भी चाहता हूं कि इस पर थोड़ा-सा डिसकशन और हो जाए।

Crisis in sugar industry

†*147. SHRI J. CHITHARANJAN:
DR. AKHILESH DAS:

Will the Minister of CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

†Question No. 147 and 155 were taken together.